Dictation 21.

Shyam has writer's block.

चौधरी - नमस्ते श्याम बाबू। आपकी किताब पूरी हुई?
श्याम - नमस्कार चौधरी साहब। किताब ख़त्म करने में दो महीने और लगेंगे। अब तक मैंने मुश्किल से दस हज़ार शब्द लिखे होंगे।
चौधरी - आप कुछ परेशान-से लग रहे हैं। क्या बात है?
श्याम - लगता है कि मुझे वापस दिल्ली जाना चाहिए। लिखने के इरादे से आया था, लेकिन फिर ठंड ज़्यादा हो गई, पानी पड़ने लगा। इन सब के साथ साथ मेरे इरादों पर भी पानी पड़ गया। बढ़िया किताब लिखने की कोई आशा नहीं दिखाई देती।
चौधरी - माफ़ कीजिए, पर मुझे आपकी बात समझ में नहीं आ रही। ठंड का तो ऐसा है कि बाहर ठंड ज़्यादा हो तो आप घर के अंदर बंद हो जाते हैं, और मजबूरन काम करना पड़ता है। और घर में अच्छा न लगे तो पुस्तकालय जाइए, ढाबे में आकर चाय पीजिए। अगर सूरज निकलता है तो कुछ वक़्त मन्दिर के बगल वाले छोटे पुल पर बैठिये। वहाँ सुबह सैकड़ों चिड़ियों के मीठे गीत सुनाई देते हैं। उस बार एक अध्यापिका अपनी किसी किताब पर काम करने मसूरी आई थी। हर सुबह पुल के पास बैठती, कभी काम करती, कभी ट्रेकिंग करने वालों से बातें करती।
श्याम - आप तो लोगों के इरादे मज़बूत करने में माहिर हैं। मैं कुछ दिन और देखता हूँ। शायद यहाँ अच्छा लगने लगे।
चौधरी – शाबाश! आपको किसी चीज़ की आवश्यकता हो तो मुझे ख़बर कीजिएगा। अब चलता हूँ। नमस्ते।

***

Chaudhari: Namaste Shyam babu. Is your book complete?
Shyam: Namaskar Chaudhari sahib. It will take two months more to finish the book. Until now I must have written barely ten thousand words.
Chaudhari: You seem troubled. What is the matter?
Shyam: I feel that I should go back to Delhi. I came here with the intention of writing, but then it grew colder; it began to rain. Along with all that, [the weather] has put a damper on my intentions ('it has rained all over my intentions'). I see no hope of writing a fine book.
Chaudhari: Excuse me, but I don't understand what you are saying. The thing with cold weather is that if it is very cold outside, get shut in at home, and you are forced to work. And if you don't like it at home, go to the library, come and drink tea at the eatery. If the sun comes out, sit for a while on the little bridge beside the temple. There in the mornings you can hear the sweet song(s) of hundreds of birds. The other time, a teacher came to Mussourie to work on some book. She would sit every morning by the bridge; sometimes she worked, sometimes she spoke to the trekkers.

Shyam: You are an expert at firming up people's intentions. I will see [how it goes] for some more days. Maybe I'll begin to like it here.
Chaudhari: Bravo! If you need anything, send word to me. Now I'll take your leave. Namaste.